8 OCT 10 2026.qxd 07-10-2026 23:05 Page 1

मेसीकी विजयी विदाई

ब्यूनस आयर्स (एजेन्सियां)। दुनिया के महानतम खिलाड़ियोंमें शुमार लियोनल मेसी ने अर्जेन्टीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला यादगार अंदाज में खत्म किया। ब्यूनस आयर्स के मान्यूमेंटल स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में अर्जेन्टीना ने बेनिन को ३-० से हराया। मेसी ने टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया जबकि एक गोल पेनल्टी पर खुद दागा। मेसी के विदाई मुकाबले को लेकर पूरे स्टेडियम में जबरदस्त उत्साह था। टीम बस के स्टेडियम पहुंचने के दौरान मेसी भावुक नजर आये और उनकी आंखों में आंसू थे। मैच से पहले रिवर प्लेट के अध्यक्ष ने भी उन्हें सम्मानित किया। मेसी को क्लब की मानद सदस्यता, स्मृति पट्टिका और उनके नाम की विशेष जर्सी भेंट की गयी। बेनिन की टीम ने भी मेसी के सम्मान में खास तोहफा दिया। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मेसी से हाथ मिलाया। १०वें मिनट में स्टेडियम में मेसी के सम्मान में विशेष कार्यक्रम हुआ। सभी खिलाड़ियों ने उनके पास जाकर हाथ मिलाया और आसमान आतिशबाजी से जगमगा उठा। यह पल स्टेडियम में मौजूद फैंस के साथ दुनियाभर के फुटबाल प्रशंसकों के लिए भी बेहद भावुक रहा। मेसी अपने करियर का २०टवां और आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे। अर्जेन्टीना की शुरुआती एकादश में मेसी के साथ जूलियन अल्वारेज और लाउटारो मार्टिनेज को आक्रमण की जिम्मेदारी दी गयी। मुकाबले की शुरुआत से ही अर्जेन्टीना ने बेनिन पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। अर्जेन्टीना को ४८वें मिनट में पहला गोल मिला। मेसी ने कार्नर से शानदार क्रास डाला जिस पर निकोलस ओटामेंडी ने करीब से सटीक



शाट लगाकर गेंद को क्रासबार के नीचे से गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ अर्जेन्टीना ने १-० की बढ़त हासिल कर ली। ६१वें मिनट में अर्जेन्टीना ने दूसरा गोल दागा। निको पाज ने पेनल्टी बाक्स के बाहर डिफेंस को चीरते हुए मिले शानदार पास को पकड़ा और गेंद को बाएं पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया। बेनिन के गोलकीपर के पास इस शाट को रोकने का कोई मौका नहीं था। ७१वें मिनट में मेसी ने अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में गोल भी कर दिया। अर्जेन्टीना को पेनल्टी मिली और मेसी ने जिम्मेदारी लेते हुए गेंद को बेनिन के गोलकीपर मार्सेल डांजिनो की पहुंच से दूर टाप राइट कार्नर में पहुंचा दिया। मेसी के गोल के बाद अर्जेन्टीना ३-० से आगे हो गया। ८२वें मिनट में अर्जेन्टीना चौथा गोल करने के करीब पहुंचा। फ्रांको मास्टेंटुओनो ने डिफेंडर को छकाकर दूर से शाट लगाया लेकिन बेनिन के गोलकीपर ने इसे आसानी से पकड़ लिया। इसके बाद अर्जेन्टीना की ओर से कुछ और कोशिशें हुईं लेकिन स्कोर में बदलाव नहीं हुआ।

अंतिम सीटी बजते ही मैदान पर भावुक दृश्य देखने को मिला। खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते और गले मिलते नजर आये। अर्जेन्टीना के लिए मेसी ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला जीत के साथ खत्म किया। दो असिस्ट और एक गोल के साथ उन्होंने अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय सफर को यादगार विदाई दी। मेसी की इस विदाई पर सिर्फ अर्जेन्टीना ही नहीं बल्कि दुनियाभर के फुटबालप्रेमी की आंखें नम नजर आयीं।

२१ सालके सुनहरे सफर का अंत

लियोनल मेसी ने अर्जेन्टीना की जर्सी में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल लिया। बुधवार सुबह भारतीय समयानुसार ४.३० बजे ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में अर्जेन्टीना ने बेनिन के खिलाफ दोस्ताना मुकाबला खेला और ३-० से जीत दर्ज की। यह सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं था बल्कि अर्जेन्टीना के लिए मेसी के २१ साल लंबे सुनहरे सफर का आखिरी अध्याय था। ३९ वर्षीय मेसी अगस्त में ही राष्ट्रीय टीम से संन्यास का एलान कर चुके थे और अब नीली-सफेद जर्सी में अपने देश के प्रशंसकों के सामने आखिरी बार उतरकर उन्होंने उस सफर को अलविदा कह दिया, जिसने अर्जेन्टीना को विश्व चैम्पियन बनाने से लेकर करोड़ों दिलों पर राज करने तक की कहानी लिखी। अपने आखिरी मुकाबले में मेसी ने एक गोल किया और टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। मेसी ने अर्जेन्टीना के लिए अब तक २०८ मैच खेले हैं और १२६गोल किये हैं। उनके नाम ६८ असिस्ट भी हैं। वह अर्जेन्टीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई २०२१ और २०२४ कोपा अमेरिका, २०२२ फाइनलिसिमा और सबसे बड़ा २०२२ फीफा विश्वकप।

नयी नहीं है मंधाना के लिए कप्तानी

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर शृंखलासे उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालांकि, नयी नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल २०१३ से भारतीय टीम का हिस्सा रहीं मंधाना एकदिनी और टी-२० अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल २२ मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रेकार्ड एकदिनीमें कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार एकदिनी मुकाबलों में टीम की कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी-२० में भी मंधाना का रेकार्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल १८ मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से ११ मुकाबलों में टीम को जीत मिली है जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैम्पियन बना चुकी हैं। उन्होंने ३५ मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को १८ में जीत नसीब हुई है तो १७ मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

श्रेयस सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थानपर गिल एकदिनीमें शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेन्सियां)। भारत के टी-२० कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गये जबकि एकदिनी कप्तान शुभमन गिल ने ५० ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की ४३ गेंदों पर १० चौकों और छह छक्कों से सजी अजेय १०२ रन की पारी ने टी-२० विश्व में मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइण्डीज के खिलाफ शृंखला के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई। इस विस्फोटक पारी से अय्यर को १८ पायदान



इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गये हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं जबकि तिलक वर्मा १०वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष १० में शामिल हो गये हैं। १५ वर्षीय युवा सनसनी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से ४६वें स्थान पर पहुंच गये हैं। वेस्टइण्डीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार ५६ रन की पारी ने उन्हें १० पायदान के फायदे से ३७वें स्थान पर पहुंचा दिया जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (६२ पायदान के फायदे से ४८वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (२९ रन देकर कोई विकेट नहीं और २९ रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गये हैं। वेस्टइण्डीज के खिलाफ तीसरे एकदिनीमें शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह १०वें स्थान से शीर्ष १० में वापस आ गये हैं। लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल १६ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गये। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइण्डीज के खिलाफ दूसरे मैच में अजेय २२३ रन बनाने के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। यह एकदिनी प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें २५ रेटिंग अंक दिलाये और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ ८४१ रेटिंग अंकों की बराबरी की।

वीजा खारिज, भारतीय पहलवानों का खेलना संदिग्ध

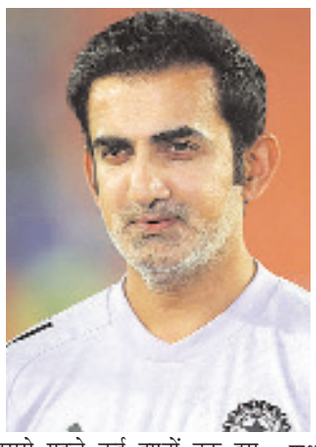
नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत के कई पहलवानों के अमेरिकी वीजा खारिज कर दिये गये हैं जिससे १२ से १८ अक्तूबर तक लास वेगास में होने वाली आगामी अण्डर-२३ विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में उनकी भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। इन पहलवानों में २०२४ अंडर-१७ विश्व चैम्पियन नेहा सांगवान भी शामिल हैं। पहलवानों को मौखिक रूप से बताया गया कि उनके वीजा इस आधार पर खारिज किये गये हैं कि उनकी उम्र २० वर्ष से कम है और वे बेरोजगार हैं। बुधवार को वीजा साक्षात्कार के लिए दूतावास जाने पर उनके पासपोर्ट उन्हें वापस कर दिये गये। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अब नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से मामलों पर पुनर्विचार करने और उन पहलवानों को वीजा देने का अनुरोध किया है जिन्हें गुरुवार को अपनी वीजा साक्षात्कार के लिए जाना है। महासंघ द्वारा अमेरिकी दूतावास को लिखे गये पत्र के अनुसार बुधवार को नौ पहलवानों के वीजा खारिज कर दिये गये। महासंघ ने पत्र में लिखा, आज, २४ प्रतिभागी अपने वीजा साक्षात्कार के लिए दूतावास पहुंचे जिनमें से १६ पहलवान थे लेकिन नौ पहलवानों के वीजा कथित तौर पर उनकी रोजगार स्थिति और २० वर्ष से कम उम्र होने के कारण खारिज कर दिये गये। महासंघ ने बताया कि आगामी चैम्पियनशिप अंडर-२३ आयु वर्ग के लिए है और इसमें भाग लेने वाले पहलवानों की उम्र १८ से २३ वर्ष के बीच है। डब्ल्यूएफआई ने दूतावास से खारिज किये गये आवेदनों पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि इनमें से कई युवा खिलाड़ी अब भी अपने खेल करियर को आगे बढ़ा रहे हैं और स्वाभाविक रूप से औपचारिक रूप से कार्यरत नहीं हैं। पत्र में जिन पहलवानों के नाम हैं उनमें समर्थ गजानन म्हाकवे, धीरज कुमार मलिक, सचिन कुमार, निखिल, हरदीप, परवीन, अहिल्या शत्रुघ्न शिंदे, नेहा शर्मा और नेहा सांगवान शामिल हैं। महासंघ ने वीजा साक्षात्कार के लिए जाने वाले पहलवानों को लेकर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनमें से अधिकांश भी वर्तमान में बेरोजगार हैं और २० वर्ष से कम उम्र के हैं। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि हम उन शेष पहलवानों को लेकर बेहद चिंतित हैं जो कल अपने वीजा साक्षात्कार के लिए जायेंगे क्योंकि वर्तमान में उनमें से अधिकांश भी बेरोजगार हैं और २० वर्ष से कम उम्र के हैं।

प्रमोद और भाविना होंगे भारत के ध्वजवाहक

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। पैरालम्पिक चैम्पियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन पैरा गेम्स में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। दोनों खिलाड़ी १८ से २४ अक्तूबर तक आयोजित होने वाले इस खेल आयोजन के उद्घाटन समारोह में तिरंगा लेकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। बैडमिण्टन खिलाड़ी प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने २०१४ से २०२३ के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं। इनमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने २०१८ से २०२३ के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किये हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है। भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारत का ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का क्षण है। जब आप तिरंगा लेकर चलते हैं, तो एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी पहचान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाविना ने कहा कि वह प्रमोद भगत के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने उम्मीद जतायी कि सभी भारतीय खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आइची-नागोया एशियन पैरा गेम्स २०२६ में पूरे एशिया के पैरा खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारतीय दल की नजरें इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बढ़ती सफलता को आगे बढ़ाने पर होंगी।

इतिहास आपके योगदानको याद रखेगा

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को निवर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की जमकर सराहना की और कहा कि 'इतिहास आपके योगदान को याद रखेगा'। गंभीर ने कहा कि टीम को व्यक्तिगत हितों से ऊपर रखने की अगरकर की सोच ने भारत को उनके कार्यकाल में तीन आईसीसी ट्राफियां दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अगरकर का कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को मुख्य चयनकर्ता के पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किये।



इससे पहले कई हफ्तों तक इस बात को लेकर अटकलें लगती रही थीं कि अगरकर को कार्यकाल विस्तार दिया जायेगा या नहीं। गंभीर ने पोस्ट किया 'प्रिय अजीत भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही। तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके भरोसे की गवाही देती हैं जिसमें हमेशा टीम को सर्वोपरि रखा गया। मुझे कहना होगा कि इतिहास आपके योगदान को याद रखेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।' अगरकर के कार्यकाल में भारत ने २०२४ और

अगरकरकी गौतम गंभीर ने की तारीफ

२०२६ टी-२० विश्वकप के अलावा २०२५ चैम्पियंस ट्राफी भी जीती। उनके कार्यकाल में टीम में बदलाव का दौर भी आया जिसमें दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी-२० और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। अगरकर को सख्त फैसले लेने वाला चयनकर्ता माना जाता था और वह इस सवाल पर भी स्पष्ट जवाब देने से बचते रहे कि कोहली और रोहित २०२७ एकदिनी विश्वकप की योजनाओं में शामिल हैं या नहीं।

अगरकरकी विदाई बनी भुवनेश्वरकी वापसीका कारण?

मुम्बई (एजेन्सियां)। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद ३६ वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी-२० टीम में वापसी हो गयी है। उन्हें न्यूजीलैण्ड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी-२० शृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था। भुवनेश्वर की वापसी ने भारतीय क्रिकेट में एक और सवाल को जन्म दे दिया है क्या अनुभवी तेज गेंदबाजों के लिए राष्ट्रीय टीम के दरवाजे फिर से खुल रहे हैं? उनके कमबैक के बाद एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी और बीसीसीआई अधिकारी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर भुवनेश्वर आ गये हैं तो मोहम्मद शमी क्यों नहीं? भुवनेश्वर ने २०२५ और २०२६ के आईपीएल सत्र में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल ४५ विकेट लिए और टीम की लगातार दो



आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। २०२५ में उन्होंने १७ विकेट हासिल किये जबकि २०२६ के सत्र में उनके खाते में २८ विकेट रहे। नयी गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को २०२२ में भारतीय टीम से बाहर किये जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी-२० क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है। भुवनेश्वर कुमार मेरठ से आते हैं, जिसे भारत में स्विंग गेंदबाजी और क्रिकेट गेंद बनाने की परंपरा के लिए भी जाना जाता है। उनसे पहले मेरठ के ही तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने भारतीय क्रिकेट में अपनी स्विंग गेंदबाजी से खास पहचान बनायी थी। भुवनेश्वर की पहचान उनकी सटीक आउटस्विंग और अचानक अंदर आने वाली गेंदों के लिए रही है। उनकी गेंदबाजी में गति से ज्यादा नियंत्रण और मूवमेंट अहम रहा है। यही अनुभव अब न्यूजीलैण्ड दौरे पर टीम इण्डिया के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। भुवनेश्वर की वापसी को जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के संदर्भ में भी अहम माना जा रहा है। अनुभवी तेज गेंदबाज के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का लंबा अनुभव है और वह युवा गेंदबाजों को भी काफी कुछ सिखा सकते हैं। टीम में शामिल मयंक यादव और प्रिंस यादव को भविष्य के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में भुवनेश्वर का अनुभव इन युवा गेंदबाजों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण हो सकता है। भुवनेश्वर ने भारत के लिए अब तक २१ टेस्ट, १२१ एकदिनी और ८७ टी-२० अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम ९० विकेट हैं। सफेद गेंद के क्रिकेट में नयी गेंद से स्विंग कराने की उनकी क्षमता लंबे समय तक भारतीय टीम की बड़ी ताकत रही है। न्यूजीलैण्ड के खिलाफ टी-२० शृंखलाके लिए घोषित टीम में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की भी वापसी हुई है। एशियाई खेलों से पहले चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गये थे। अब फिट होकर उन्होंने टीम में जगह बना ली है। दोनों देशों के बीच पांच मैचों की टी-२० शृंखला २२ अक्तूबर से एक नवम्बर तक खेली जायेगी। पहला और दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च में, तीसरा मैच वेलिंगटन, चौथा आकलैण्ड और पांचवां मुकाबला हैमिल्टन में खेला जायेगा। इसके बाद भारत-न्यूजीलैण्ड के बीच पांच एकदिनी और दो टेस्ट मैच भी खेलेगा। चार साल के इंतजार के बाद भुवनेश्वर की वापसी सिर्फ एक खिलाड़ी का कमबैक नहीं है। यह उस गेंदबाज की वापसी है जिसने मुश्किल दौर में भी बिना शोर किए अपनी कला पर काम जारी रखा और आईपीएल में प्रदर्शन के जरिए चयनकर्ताओं को जवाब दिया। अब न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में एक बार फिर उनकी स्विंग गेंदबाजी पर सबकी नजर होगी।

तन्मयकी फिरकीमें फंसा आस्ट्रेलिया

अहमदाबाद (एजेन्सियां)। बायें हाथ के स्पिनर तन्मय बालोडा के दूसरी पारी में आठ विकेट और मैच में १४ विकेट की मदद से भारत की अंडर-१९ क्रिकेट टीम ने दूसरे युवा टेस्ट के तीसरे दिन आस्ट्रेलिया को दस विकेट से हराकर शृंखला २-० से अपने नाम कर लिया। आस्ट्रेलियाई टीम तीसरे दिन चार विकेट पर ८६ रन से आगे खेलते हुए १५१ रन पर आउट हो गयी और भारत को जीत के लिए सिर्फ ११ रन बनाने थे जो बिना कोई विकेट गंवाये बना लिए। भारत ने इससे पहले ३१५ रन बनाकर पहली पारी में १५१ रन की बढ़त ली थी। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में १७४ रन बनाये थे। भारतीय अंडर १९ टीम ने राजकोट में खेला गया पहला युवा टेस्ट एक पारी और ४८ रन से जीता था। इससे पहले युवा एकदिनी शृंखला में ३-० से जीत दर्ज की थी। बालोडा ने पहली पारी में ३२ रन देकर छह और दूसरी में ४१ रन देकर आठ विकेट चटकाये।

जुयालको यूपी रणजी टीम की कमान

कानपुर। पिछले २० वर्षों से खिताब का सपना संजोये उत्तर प्रदेश की रणजी टीम इस बार आर्यन जुयाल की कप्तानी में ११ अक्तूबर से बिहार के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। ग्रीन पार्क स्टेडियम में पिछले एक सप्ताह से जारी कैंप के बाद बुधवार को यूपीसीए ने १६ सदस्यीय टीम घोषित कर दी। चयनित टीम में भारतीय टीमके स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह समेत करन शर्मा, प्रशांतवीर, जीशान अंसारी, यश दयाल और कार्तिक त्यागी जैसे खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टीम के कोच की कमान ज्ञानेंद्र पाण्डेय, राहुल सप्रू के हाथों में है, जिनसे इस बार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इस बार उत्तर प्रदेश को कुल सात मैचों में तीन मैच अपने घरेलू मैदान ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेलने हैं। जिसमें पहले चरण में दो तथा दूसरे चरण में एक मैच जनवरी में होगा। उप्र का पहला मैच बिहार के खिलाफ राजगिरी मैदान में ११ से १४ अक्तूबर तक खेला जायेगा। इसके बाद दूसरा ग्रीन पार्क स्टेडियम में १८ से २१ अक्तूबर तक गोवा के खिलाफ होगा। तीसरा मैच पांडुचेरी के खिलाफ २६ से २९ अक्तूबर तक पांडुचेरी में तथा पहले चरण का अंतिम मैच ग्रीन पार्क स्टेडियम में दो से पांच नवम्बर तक बड़ौदा के खिलाफ खेला जायेगा। इसके बाद दूसरे चरण में उप्र का पांचवां मैच मध्य प्रदेश के खिलाफ १७ से २१ जनवरी तक इंदौर में, छठा जम्मू-कश्मीर के खिलाफ २४ से २७ जनवरी तक ग्रीन पार्क स्टेडियम में तथा आखिरी मैच नागपुर में एक से चार फरवरी तक विदर्भ के खिलाफ होगा।

काशी विद्यापीठ की टीम जीती

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की कबड्डी टीम का गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अन्तर्विश्वविद्यालय कबड्डी (महिला) प्रतियोगितामें उत्कृष्ट प्रदर्शन शहीद महेन्द्रा करमा विश्वविद्यालय को ने ३३-१९ से हराया। वहीं, दूसरे मैच में महाराजा श्री चन्द्रा भंज डीईओ विश्वविद्यालय को ५३-२० अंक से पराजित किया। मैच में प्रियंका पटेल, अमृता यादव, रीतू पाल एवं सोनाली पटेल का प्रदर्शन सराहनीय रहा। टीम की जीत पर कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी एवं अन्य अधिकारियों ने बधाई दी है। टीम मैनेजर डा. अमित कुमार गौतम, कोच इति प्रजापति एवं प्रभारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी-२० अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।

तैराक विशेश्वर द्विवेदी ने जीता कांस्य



वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर भारत का गौरव बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश के दिग्गज तैराक विशेश्वर द्विवेदी ने इतिहास रच दिया है। बेंगलुरु में आयोजित एशियन मास्टर्स तैराकी चैम्पियनशिप में उन्होंने अपनी रफ्तार और तकनीक का बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए २०० मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। तैराकी फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित महामुकाबले में एशिया, ओशिनिया और मिडिल ईस्ट के ५३ देशों के लगभग ५८०० सर्वश्रेष्ठ तैराकों ने हिस्सा लिया है। इस बेहद कड़े और रोमांचक मुकाबले में विशेश्वर द्विवेदी ने अंतिम सेकंडों में अभूतपूर्व वापसी करते हुए भारत को ब्लाक फिनिश तीसरा स्थान दिलाया। साथ ही सौरभ प्रताप सिंह ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

वाराणसीको स्वर्ण सहित चार पदक

वाराणसी। वाराणसी जिले के खिलाड़ियोंने गोरखपुर के मुरारी इण्टर कालेज में हुई ७०वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में वाराणसी मण्डल का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किये। प्रेमचंद स्मारक इंटर कालेज की सुहानी पटेल ने बालिका अण्डर-१७ आयु वर्ग के ४६ किलोग्राम भार में स्वर्ण पदक जीता जबकि बिरापट्टी इंटर कालेज कक्षा ११ के रुस्तम पटेल ने बालक वर्ग (४५ किग्रा) में रजत, अण्डर-१९ में बंगाली टोला इंटर कालेज के पवन कुमार साहनी (५१ किग्रा) ने रजत तथा सनी जेटली बेनुवंशी, क्वींस इंटर कालेज ने अण्डर-१७ बालक (४१ किग्रा) में कांसे का तमगा अपने नाम किया। अन्य सदस्यों आसू पटेल और सौरभ सिंह ने भी जुझारू खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस सफलता पर बंगाली टोला इंटर कालेज के खेल प्रवक्ता एवं एनसीसी अधिकारी मेजर विमल राव व जिला ताइक्वांडो प्रशिक्षकों आशुतोष जायसवाल, चंद्रभान पटेल, आशीष राय एवं उमेश केसरी ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी।



सब जूनियर बालिका हैण्डबाल टीम घोषित

वाराणसी। चित्रकूट में आठ से ११ अक्तूबर तक होने वाली प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हैण्डबाल प्रतियोगिता के लिए वाराणसी मण्डल की टीम घोषित कर दी गयी है। जिला क्रीड़ा अधिकारी नवीन कुमार सिंह के अनुसार टीम में वंशिका प्रजापति, मानसी यादव, महिमा चौहान, रितिका प्रजापति, आयुषी पाल सेजल सिंह (सभी राष्ट्रीय खिलाड़ी), आकांक्षा पाल, नैन्सी यादव, प्रज्ञा प्रजापति, नैन्सी, आकृति प्रजापति और तनु विश्वकर्मा शामिल हैं। तरुण कुमार टीम मैनेजर हैं।

रणजी डेब्यू करेंगे वंश और अभिनंदन

कानपुर। आईपीएल चैम्पियन रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज अभिनंदन सिंह और टीम इंडिया के बल्लेबाजों को अपनी स्पिन से चकित करने वाले वंश चौधरी पहली बार उत्तर प्रदेश के लिए रणजी ट्राफी में खेलेंगे। बुधवार को जारी यूपी टीम में शामिल हुए इन दोनों नये चेहरों की खास बात यह है कि इन्होंने अभी तक कोई भी बोर्ड ट्राफी मैच नहीं खेला लेकिन राष्ट्रीय पटल पर अपनी ऐसी छाप छोड़ी कि मुख्य चयनकर्ता प्रवीण कुमार को उन्हें १६ सदस्यीय टीम में शामिल करना पड़ा। प्रतापगढ़ के २९ वर्षीय अभिनंदन ने आईपीएल के इस सीजन में आरसीबी की तरफ से खेलते हुए तीन मैच खेले, जिसमें अपनी तेज गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों के हौसले पस्त किया। वहीं पिछले महीने नयी दिल्ली में खेली गयी भारत और अफगानिस्तान के बीच शृंखला में नेट गेंदबाज के तौर पर शामिल किये गये सहारनपुर के आफ स्पिनर वंश चौधरी ने भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया।

तैराकी टीम का चयन १४ को

वाराणसी। क्रीड़ा परिषद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में विश्वविद्यालय परिसर की तैराकी (महिला/पुरुष) टीम का चयन १४ अक्तूबर एवं फुटबाल (महिला/पुरुष) व टेनिस (महिला/पुरुष) टीम का चयन १५ अक्तूबर को पूर्वाह्न 10 बजे से होगा। विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की सचिव डा. ऊर्जस्विता सिंह ने बताया कि टीम में विश्वविद्यालय परिसर, एन.टी.पी.सी., गंगापुर परिसर, भैरव तालाब परिसर के खिलाड़ियों का चयन किया जाये